

# डॉ. इलेन फिलिप्स, मीका, पैगंबर आउटसाइड द बेल्टवे, सत्र 1 परिचय

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

नमस्ते, मैं इलेन फिलिप्स हूँ। मेरे पति पेरी और मैं अगले आठ व्याख्यान छोटे भविष्यवक्ता या 12 की पुस्तक के सदस्य मीका को समर्पित करने जा रहे हैं। हम इस बारे में बात करेंगे कि वह "बेल्टवे के बाहर" क्यों है।

आप इसे वहां स्क्रीन पर देख सकते हैं। हम इस परिचयात्मक व्याख्यान में विभिन्न संदर्भों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जिन पर वास्तव में पाठ में आने से पहले ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। तो, हम कैनन में इसके स्थान के बारे में बात करेंगे, विशेष रूप से भविष्यवक्ताओं में से एक के रूप में।

हम भौगोलिक और ऐतिहासिक संदर्भों के बारे में बात करेंगे और वे एक साथ कैसे काम करते हैं। और फिर, अंततः, इस व्याख्यान के अंत में, हम साहित्यिक और धार्मिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। तो यह दिशा है कि हम अगले 40 मिनट में कहाँ जा रहे हैं।

विहित संदर्भ के संदर्भ में, मीका आठवीं शताब्दी के भविष्यवक्ताओं में से एक है। और हम शीघ्र ही उस इतिहास के बारे में अधिक बात करेंगे जो आठवीं शताब्दी के संदर्भ का हिस्सा है। मैं लघु भविष्यवक्ताओं के बजाय 12 की पुस्तक शब्द का उपयोग करना पसंद करता हूँ क्योंकि कभी-कभी लोग लघु शब्द सुनते हैं और वे सोचते हैं कि यह यशायाह, यिर्मयाह, ईजेकील और डैनियल से कम महत्वपूर्ण है।

और वास्तव में ऐसा बिलकुल भी नहीं है। ये बहुत महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता हैं। इसलिए, हम 12 की पुस्तक में उनके स्थान और 12 की पुस्तक के अन्य सदस्यों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं जो आठवीं शताब्दी के भविष्यवक्ता हैं।

फिर से, हम जल्द ही इसके इतिहास में उतरेंगे। लेकिन होशे, आमोस और योना भी उस तस्वीर का हिस्सा हैं। मेरे पास मृत सागर के क्षेत्र में पाए गए स्क्रॉल में से एक की एक त्वरित तस्वीर है।

यह नहल-हेवर नामक स्थान पर पाया जाता है और आप उस संदर्भ में मीका अध्याय पाँच के एक छोटे से हिस्से को देख सकते हैं। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, हमारे आठवीं शताब्दी के भविष्यवक्ताओं, आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व की तस्वीर को एक साथ लाने के लिए, वैसे, जाहिर है कि वह यशायाह के समकालीन हैं। और जैसा कि हम इन आठ व्याख्यानों के माध्यम से आगे बढ़ते हुए देखेंगे, यशायाह ने जो कहा था और मीका ने जो कहा था, उसके बीच कुछ अद्भुत अंतरफलक होगा।

तो यह संक्षेप में एक प्रामाणिक संदर्भ है। मुझे भौगोलिक संदर्भ पर भी थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। यह हमेशा महत्वपूर्ण होता है।

प्रत्येक बाइबिल संदेश एक ऐसे संदर्भ में दिया गया है जिस पर उसका ध्यान केंद्रित है। मेरे एक सहकर्मी, जॉन मॉन्सन से एक शब्द चुराने के लिए एक भौतिक धर्मशास्त्र चल रहा है। इसलिए हम प्राचीन निकट पूर्व, विशेष रूप से पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र को देखने में थोड़ा समय बिताने जा रहे हैं।

और मानचित्र पर, सबसे पहले, हम उन महत्वपूर्ण शक्ति मंडलों को देखेंगे जो इस पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र का हिस्सा हैं। बेशक, पहला असीरिया है, जो एक महत्वपूर्ण शक्ति केंद्र है, खासकर मेसोपोटामिया के क्षेत्र में। हम इस तथ्य को भी जानने या पहचानने जा रहे हैं कि भले ही मिस्र मीका के पाठ में उतना दिखाई नहीं देता है, वह हमेशा वहां है क्योंकि मेसोपोटामिया, आठवीं शताब्दी में असीरिया का प्रभुत्व था, और मिस्र वही होगा जिसे हम कहते हैं के बीच भूमि।

और, बेशक, बीच की ज़मीन कई मायनों में बीच में है, लेकिन जहां तक हम अभी बात कर रहे हैं, यह भू-राजनीतिक रूप से बीच में है। और इसलिए यहां से गुजरने वाले मार्गों पर सभी प्रकार का यातायात, कई बार सैन्य यातायात भी होता है। हम एक क्षण में उस पर वापस आने वाले हैं।

यह तो बस बड़ी तस्वीर है। सीरिया और असीरिया के बीच की भूमि को अक्सर सीरिया में बफर जोन कहा जाता है, या इसका दूसरा नाम अराम है। वह हमारे कुछ पृष्ठभूमि इतिहास का चित्र भी होगा।

तो यह हमारा बड़ा संदर्भ है। आइए इजराइल की इस भूमि या हमारी भूमि के बीच में थोड़ा सा शून्य करें। अब विचार यह है कि इस भूमि की व्यापक रूपरेखा का अवलोकन किया जाए।

हम जल्द ही मीका के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं, लेकिन यहाँ एक नक्शा है जो स्थलाकृति को देखने के मामले में हमारी थोड़ी मदद करता है। और जब हम मीका के गृहनगर के बारे में सोचते हैं तो हमें वास्तव में स्थलाकृतिक विशेषताओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जो इसके आस-पास के कुछ अन्य क्षेत्रों के संबंध में है। तो इस भूमि के संबंध में, यह एक रीढ़ है, अगर आप कहें, तो केंद्रीय पहाड़ी क्षेत्र।

मानचित्र पर, आप इसे ऊँचाई के रूप में देख सकते हैं, और यह काफी ऊँचाई पर है, इसलिए इसमें प्रवेश करना कठिन है और इसलिए, यह सुरक्षित, अलग-थलग है। यदि हम केवल भूगोल पर ध्यान केंद्रित कर रहे होते तो हम इसके बारे में बहुत कुछ कह सकते थे। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि जब परमेश्वर ने अपने लोगों को विरासत दी, तो महत्वपूर्ण जनजातियों को इस केंद्रीय पहाड़ी देश में विरासत दी गई, जो अधिक सुरक्षित थी।

और मैं अभी तीन का नाम लूंगा। और भी हैं। लेकिन यहूदा, जो तब एक बहुत ही महत्वपूर्ण जनजाति होने जा रही है, यहूदा के ठीक उत्तर में बिन्यामीन और उसके ठीक उत्तर में एप्रैम।

इन तीनों का क्षेत्र इस पहाड़ी क्षेत्र में है। और, बेशक, यरूशलेम रणनीतिक रूप से यहूदा और बिन्यामीन के बीच स्थित होने जा रहा है। लेकिन यह, इस क्षेत्र में हर छोटी बस्ती की तरह, संरक्षित है।

हमारे मध्य पहाड़ी क्षेत्र के पश्चिम में, सबसे पहले, शेफेलाह नामक स्थान है। यह एक हिब्रू शब्द है, जिसका अर्थ है नीचे होना या झुकना, अगर आप चाहें तो। और अक्सर, इसका अनुवाद निम्न भूमि या तलहटी के रूप में किया जाता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सा अनुवाद पढ़ रहे हैं।

और इसलिए ये इस केंद्रीय रीढ़ की ढलान या तलहटी हैं। और फिर, तट पर, हमारे पास इस विशेष क्षेत्र में फिलिस्तीनियों द्वारा प्रभुत्व वाला तटीय मैदान है। लेकिन क्योंकि यह समतल है और आसानी से पार किया जा सकता है, यह वह मार्ग या स्थान है जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्ग ने अपनाया।

इसलिए, अगर हम मिस्र के बारे में बात कर रहे थे जो उत्तर की ओर मेसोपोटामिया की ओर जाने की कोशिश कर रहा था, तो आप उन्हें इस क्षेत्र से गुजरते हुए देखेंगे या इसके विपरीत। जब असीरिया मिस्र की ओर आक्रमक होने की कोशिश करता है और सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है, तो वे यहाँ से होकर गुज़रेंगे। इसलिए इसे ध्यान में रखें क्योंकि तटीय मैदान पर जो कुछ भी होता है वह वहाँ तक सीमित नहीं रहता है।

यह अक्सर शेफेला के माध्यम से अपना रास्ता बनाता रहता है। और हम इसके बारे में तुरंत और अधिक बताएंगे। हमारी पहाड़ी रीढ़ के पूर्वी हिस्से में, सिर्फ रिकॉर्ड के लिए, हम इसके साथ ज्यादा कुछ नहीं करेंगे, लेकिन बस ध्यान दें कि हमारे पास जंगल है और फिर रिफ्ट घाटी है।

इस क्षेत्र में रिफ्ट घाटी में मृत सागर या नमक का सागर, जॉर्डन घाटी और गलील का सागर है। हमारे मध्य पहाड़ी देश और रिफ्ट घाटी के बीच का जंगल क्षेत्र बंजर है। यह उस पहाड़ी देश की चोटी से रिफ्ट घाटी तक लगभग 12 मील की दूरी पर है।

यह वर्षा छाया क्षेत्र में है, इसलिए बहुत अधिक वर्षा नहीं होती है। यह हमारा अवलोकन है। लेकिन जाहिर है, अब हमें यहूदिया और शेफेला पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है क्योंकि मीका यहीं से है।

मैं मीका के इस क्षेत्र से होने और संभवतः यरूशलेम में प्रचार करने के बारे में थोड़ी देर बाद और अधिक बताऊंगा। लेकिन यहाँ फिर से, एक और नक्शा जिस पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, वहाँ के तलहटी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले बताया था, हमारे प्रमुख खतरे तब हैं जब हमारे पास यहाँ से सैन्य यातायात होता है और न केवल यहाँ से होकर गुजरता है बल्कि पहाड़ी क्षेत्र पर आक्रमण करने पर भी काम करता है क्योंकि इतिहास में उन खतरों में से कुछ, न केवल आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में, हम पहाड़ी क्षेत्र और प्रमुख शक्ति केंद्रों या शायद मुझे कहना चाहिए कि यरूशलेम जैसे राजनीतिक धार्मिक केंद्रों में घुसने के इरादे से हैं।

तो, हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा पहाड़ी इलाकों से आने वाला है। और शेफेलाह क्षेत्र हमारी समझ के लिए महत्वपूर्ण है। इन निचली तलहटियों से होकर पूर्व-पश्चिम घाटियाँ गुजरती हैं, है न? और इसलिए, वे भूमि पर आक्रमण के मार्ग बन जाते हैं। उनमें से पाँच हैं।

मैं उन्हें उत्तर से दक्षिण तक नाम नहीं देने जा रहा हूँ। अगर हम इस पर केंद्रित भूगोल कर रहे होते, तो हम इस पर अधिक समय बिताते। लेकिन हमारे निचले दो, आखिरी दो जिन्हें मैंने उन तीरों से नोट किया था, वे उन क्षेत्रों में आने वाले हैं जो मीका के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण थे।

ये यहूदा राज्य के अंदरूनी हिस्से में आक्रमण के रास्ते हैं। यरूशलेम ने पहले ही इसका संकेत दे दिया है। अब हम देख सकते हैं कि यह कहाँ है।

यह संरक्षित पहाड़ी क्षेत्र में है। यदि आप इस मानचित्र को देखें, तो आप पाएंगे कि यरूशलेम के स्थान के संकेतक और हमारे नीले तीरों के बीच यह ऊबड़-खाबड़ है। और सभी उद्देश्यों और उद्देश्यों के लिए, घाटी प्रणाली, पहाड़ियाँ, वे सभी खड़ी वी-आकार की घाटियाँ, यरूशलेम के लिए एक प्राकृतिक अवरोध, एक प्राकृतिक किला प्रदान करती हैं।

ज़ोरिच घाटी विशेष रूप से वहाँ महत्वपूर्ण है। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि कोई यरूशलेम पर हमला करने की कोशिश कर रहा है, तो आपको उन घाटियों से होकर अपना रास्ता खोजना होगा और पहाड़ी इलाके तक पहुँचना होगा। हमलावर सदियों से यही करते आए हैं, लेकिन यह विशेष रूप से मीका के दिनों में होगा।

और जब पेरी अगले व्याख्यान में अध्याय एक पर चर्चा करेंगे, तो आप देखेंगे कि उनमें से कुछ चीजें सामने आती हैं। किसी भी मामले में, भूगोलवेत्ताओं ने अक्सर शेफेला क्षेत्र को एक बफर जोन के रूप में माना है। जब लोग तटीय मैदान से पहाड़ी क्षेत्र में आक्रमण करने की कोशिश कर रहे होते हैं, तो वे उस क्षेत्र से गुजरते हैं।

जब यहूदा थोड़ा मजबूत हो जाएगा, तो वे पश्चिम की ओर वापस धकेल सकते हैं। और हम आठवीं शताब्दी में ऐतिहासिक संदर्भ के माध्यम से इसके कुछ उदाहरण देखने जा रहे हैं। खैर, किसी भी दर पर, यहाँ मोरेशेथ गत स्थित है।

मीका का गृहनगर वास्तव में कहाँ स्थित था, इस बारे में राय में थोड़ा अंतर है क्योंकि अध्याय एक में मोरेशेथ गत और मोरेशेथ गत दोनों का उल्लेख है, लेकिन वे लगभग ढाई से तीन मील के भीतर एक दूसरे के काफी करीब हैं। और हम बस यह देखेंगे कि वहाँ, वह स्थान मीका का गृहनगर है जो इस युद्धग्रस्त क्षेत्र या संभावित युद्धग्रस्त क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में है। इसलिए वहाँ रहने वाले किसी व्यक्ति को आक्रमण के खतरे का पता होगा।

और यह कुछ ऐसा है जिसे हमें वास्तव में ध्यान में रखना होगा क्योंकि हम इतिहास में आगे बढ़ते हैं। और फिर पाठ में ही। खैर, इतना कहने के बाद, मैं मोरेशेथ गत या मोरेशेथ गत के बारे में एक और टिप्पणी करना चाहता हूँ क्योंकि अध्याय एक, श्लोक एक में मीका को मोरेशेथी कहा गया है।

वह मोरेशेथ से है। विचार यह है कि उसे मीका पुत्र एक्स या मीका पुत्र जो भी हो कहने के बजाय लेबल किया गया है, क्योंकि वह शायद यरूशलेम में प्रचार कर रहा है और इसलिए उसे उसके गृहनगर से पहचाना जाता है न कि उसके पिता के नाम या उसके परिवार के नाम से। तो अब हमारे पास फिर से "बेल्टवे के बाहर" से यह पैगंबर है, जो संभवतः अपने संदेश जारी करने के

लिए यरूशलेम जा रहा है, जो चुनौतीपूर्ण संदेश हैं, लेकिन हम उन पर थोड़ी देर बाद चर्चा करेंगे।

संक्षेप में भूगोल यही है। बस कुछ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के लिए, और यह एक बहुत ही संक्षिप्त समयरेखा है, लेकिन यह हमें यह समझने में मदद करने के लिए है कि मीका के समय से पहले की शताब्दियों में क्या हुआ था। और फिर जाहिर है कि उसके बाद क्या होने वाला है क्योंकि वह एक भविष्यवक्ता है और इसलिए वह थोड़ा आगे भी बात करने वाला है।

समीक्षा के लिए, हमारे पास एक संयुक्त राजतंत्र है, डेविड, उसके बाद सुलैमान। जाहिर है, यह लंबे समय तक नहीं चलता। सुलैमान की मृत्यु के बाद, उसका बेटा रहूबियाम कुछ मूर्खतापूर्ण गलतियाँ करता है।

राज्य उत्तरी जनजातियों और यहूदा के दक्षिणी जनजाति के बीच विभाजित हो जाता है, जिसमें शिमोन शामिल है और शायद कुछ बेंजामिन से भी जुड़े हुए हैं। लेकिन 931 ईसा पूर्व में राज्य विभाजित हो जाएगा। अब, इस चार्ट पर, आप निश्चित रूप से सभी को नहीं देख सकते हैं जो शासन कर रहे हैं, लेकिन मैंने कुछ प्रमुख चीजों को नोट किया है, जैसे कि मीका के पाठ के अनुसार प्रमुख व्यक्तियों के नाम।

तो, 860 से 50 के उस संकेत के तहत, आप अहाब का नाम देखेंगे। ओमरी राजवंश के संदर्भ में प्रमुख व्यक्ति। हम बाद में इस पर चर्चा करेंगे, लेकिन ओमरी एक महत्वपूर्ण राजवंश की शुरुआत करता है।

वह अपनी राजधानी को ऐसी जगह ले जाता है जो विदेशी प्रभाव के लिए ज्यादा खुली है और उसका बेटा अहाब ओमरी के नक्शेकदम पर चलेगा और बाल की पूजा और उन सभी चीजों को अपनाएगा। यह मीका और मीका के पाठ के साथ क्या होने वाला है और विशेष रूप से कुछ बातें जो वह अध्याय छह में कहेगा, उसके लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें उस पर टिके रहना होगा।

जाहिर है, हम बाद में इस पर वापस आएंगे। आगे बढ़ते हुए, मैंने हमारे आठवीं सदी के कुछ भविष्यवक्ताओं, होशे और आमोस का उल्लेख किया, और वैसे, योना भी इसमें फिट बैठता है, समकालीनों के रूप में महत्वपूर्ण हैं। 722 ईसा पूर्व में, हमारे पास उत्तरी राज्य का पतन है, और होशे और आमोस ने इसकी भविष्यवाणी की है।

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि भगवान की कोमल दया और करुणा में, भले ही उत्तरी साम्राज्य उनके द्वारा किए गए सभी प्रकार के भयानक कामों में डूबा हुआ है, मूर्तिपूजा, वगैरह, भगवान अभी भी उन्हें होशे और आमोस की भविष्यसूचक आवाज़ें भेजते हैं? और, निःसंदेह, योना भी वहां फिट बैठेगा। 722 ईसा पूर्व में उत्तर का पतन, मीका और यशायाह, जिन्होंने जोथम, आहाज और हिजकिय्याह के शासनकाल के दौरान भविष्यवाणी की थी, जैसा कि आप देख सकते हैं, बहुत ही अस्थिर समय से गुजर रहे हैं।

पुनः, यह समयरेखा अत्यंत संक्षिप्त है। मैं बस यह चाहता हूँ कि हम कुछ महत्वपूर्ण राजाओं और कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं के सामने मीका की स्थिति को देखें। और फिर, समयरेखा के अंत तक

जारी रखते हुए, मीका के पास बेबीलोन की संभावना के बारे में कहने के लिए बस थोड़ा सा होगा।

बेशक, इसमें निर्वासन भी शामिल होगा। तो यहाँ हमारे पास यह बहुत ही संक्षिप्त समयरेखा के रूप में है। फिलहाल बस एक और मानचित्र क्योंकि हम इनमें से कुछ साम्राज्य मुद्दों को उनके मानचित्र संदर्भ में प्रकट करना चाहते हैं।

मैंने राज्य में विभाजन का उल्लेख किया। अंततः सामरिया बड़े उत्तरी साम्राज्य की राजधानी बन गया। मूल रूप से, जब सुलैमान का पुत्र रहूबियाम अपने पत्थर लेकर घर गया, तो नबात के पुत्र यारोबाम ने शेकेम में एक राजधानी स्थापित की, लेकिन यह आगे बढ़ेगी और उस व्यक्ति द्वारा स्थानांतरित की जाएगी जिसका मैंने एक क्षण पहले उल्लेख किया था, ओम्री, जिसने इसे स्थानांतरित किया था सामरिया की राजधानी।

एक पल में, मैं लगभग उस नारंगी तीर पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूँ, लेकिन फिलहाल, आइए कम से कम यरूशलेम को भी यहां ले आएं। यह दक्षिणी राज्य की राजधानी है। यदि आप उन मानचित्रों पर दर्शाई गई स्थलाकृति पर एक संक्षिप्त नज़र डालें, तो आपको कुछ दिखाई देगा।

और आप देख सकते हैं कि सामरिया को दर्शाने वाला नारंगी तीर अपने स्थान के कारण और भी अधिक खुला है, पश्चिम की ओर और पश्चिम से आने वाली ताकतों की ओर थोड़ा अधिक खुला है। अब, बाल पूजा, फीनिशिया, इत्यादि के साथ जो कुछ हो रहा है, उसके प्रभाव के बारे में हम बहुत कुछ कह सकते हैं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इस पर ध्यान दें।

इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि जब असीरियन आक्रमण कर रहे थे, तो वे सामरिया को अपने अधीन करने और उस पर कब्ज़ा करने में सक्षम थे। लेकिन यरूशलेम ने इसका सामना किया। इसलिए केंद्रित मानचित्र के संदर्भ में अभी के लिए इतना ही काफी है।

हमें असीरियन विस्तार के साथ थोड़ा काम करने की ज़रूरत है क्योंकि असीरिया उत्तर-पूर्व में बहुत दूर है। यहाँ, हमारे पास असीरियन साम्राज्य का एक नक्शा है, जो समय के साथ बढ़ता गया। भले ही आप इस नक्शे के निचले दाएँ हाथ की ओर छोटी किंवदंती नहीं देख पा रहे हों, लेकिन यहाँ वह है जो हमें ध्यान देने की ज़रूरत है।

क्योंकि टिग्लैथ-पिलेसर III नामक असीरियन शासक के अधीन, उस लाल दीर्घवृत्त में वह क्षेत्र है जो उसे श्रद्धांजलि दे रहा था और, सभी इरादों और उद्देश्यों के लिए उसके अधीन था। और, निःसंदेह, हम उसके बीच की भूमि के महत्वपूर्ण हिस्से देख रहे हैं। न केवल सामरिया, बल्कि आपके पास आहाज भी है, जो यरूशलेम में शासक बनने जा रहा है, जो टिग्लैथ-पिलेसर और अशूर के विस्तार के प्रति बहुत अधिक समर्पित है।

तो, यहां सभी प्रकार की भू-राजनीतिक चीजें चल रही हैं। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हमें बस वहां उसका प्रभाव देखने की ज़रूरत है। खैर, मुझे कुछ चीजों को प्रिंट करने दीजिए, या मुझे कहना चाहिए, कुछ चीजें जिन्हें मैंने अभी-अभी मानचित्र पर रखने का प्रयास किया है।

से सौ या आधी सदी पहले, वास्तव में, यह तब की बात है जब योना भविष्यवाणी कर रहा था, है न? मीका के परिदृश्य में आने से पहले एक पीढ़ी, एक भविष्यवाणी करने वाली पीढ़ी। अशूर आंतरिक अव्यवस्था की स्थिति में था। ऐसी कई तरह की चीजें थीं जो उन्हें आंतरिक रूप से परेशान कर रही थीं।

हमें उनके बारे में बात करने की ज़रूरत नहीं है। हमारा कहना यह है कि वे अपने आंतरिक विवादों और अपनी विवादास्पद सीमाओं के बाहर क्या चल रहा था, इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे थे। यह बदल जाता है।

और जब यह बदलता है, तो उनका ध्यान फिर से पश्चिम की ओर चला जाता है। मैंने कुछ समय पहले टिग्लथ-पिलेसर III का नाम लिया था। और इसलिए, मीका की पृष्ठभूमि के संदर्भ में हमें उसके बारे में जानने की ज़रूरत है, खासकर मीका के अध्याय एक से तीन तक।

क्योंकि लगभग 740 ईसा पूर्व, उस मानचित्र को याद करते हुए जिसे हमने अभी देखा है, आपके पास टिग्लथ-पिलेसर चल रहा है। वह सीरिया दोनों को अपने में समाहित कर लेता है। वह उत्तरी राज्य में पहुँच जाता है।

उत्तर और सीरिया तथा उत्तर के बीच कुछ गठबंधन है, और जो चल रहा है उस पर भी विचार किया जाएगा। लेकिन 734 में, एक महत्वपूर्ण तिथि, तिग्लथ-पिलेसर फ़िलिस्तिन से होकर आगे बढ़ता है, और वह एक प्रकार की सीमा, एक प्राकृतिक सीमा तक पहुँच जाता है। इसे मिस्र की पुस्तक कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि उसने संपूर्ण फ़िलिस्ती मैदान को नष्ट कर दिया है।

कुछ पुरातात्विक साक्ष्यों के अनुसार, जो पश्चिमी शेफेला में इन नष्ट हुए कुछ शहरों में दिखाई देते हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ घुसपैठें हुई हैं जिन्होंने इस बिंदु पर भी उन्हें प्रभावित किया है। ध्यान में रखने योग्य हमारा अगला शासक सरगोन II नामक व्यक्ति है। इनमें से प्रत्येक मामले में, इनके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, वह वही है जिसने सामरिया को ले लिया।

आपको हमारी समयरेखा याद होगी। हमारे पास 722 ईसा पूर्व और उत्तरी राज्य का पतन है। लेकिन सरगोन न केवल सामरिया पर कब्जा करता है, बल्कि वह अशदोद और गत को भी निगल जाता है, और वहाँ पर्याप्त अतिरिक्त बाइबिल पाठ हैं।

हमारे पास बाइबिल के पाठ में यह नहीं है, लेकिन बाइबिल के बाहर पर्याप्त सबूत हैं जो यह संकेत देते हैं कि जब उसने अशदोद पर कब्जा किया था, तब सरगोन द्वितीय की ओर से एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था। यह उसके लिए एक बड़ी बात है। और इसलिए, जैसा कि लोग मीका की पृष्ठभूमि का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, सुझाव यह है कि शायद अशदोद से अंतर्देशीय कुछ छापे मारे गए थे।

अशदोद भूमध्य सागर के बहुत करीब स्थित है। यह प्रमुख फिलिस्तीन शहरों में से एक है, लेकिन शायद उसने अंतर्देशीय क्षेत्रों में भी कुछ हमले किए हों। इसके अलावा, सर्गोन के समय में, कुछ लोग कहेंगे कि यशायाह अध्याय 10 के अंत में जो संकेत हमें मिलते हैं, वे बहुत ही रोचक हैं,

क्योंकि यशायाह अध्याय 10 के अंत में, यह अश्शूर के दृष्टिकोण का वर्णन करता है और उत्तर से यरूशलेम की ओर आने वाले छोटे-छोटे शहरों का वर्णन करता है, वास्तव में मिचमश में एक दर्रे का उल्लेख करता है, वास्तव में राम का उल्लेख करता है, वास्तव में नोब का उल्लेख करता है, उनमें से कुछ स्थान जो उत्तर से यरूशलेम आने वाले आक्रमण मार्ग पर थे।

और इसलिए, सुझाव यह है कि सरगोन के समय में, शायद हमें पश्चिम से दबाव मिला है और फिर उत्तर से भी दबाव मिला है। और फिर यह ध्यान में रखते हुए कि उत्तरी राजधानी सामरिया पहले ही गिर चुकी है। इसलिए, इस समय यरूशलेम पहले से ही मुश्किल में है।

संभवतः आठवीं शताब्दी से सातवीं शताब्दी तक हमारा सबसे प्रसिद्ध असीरियन शासक सन्हेरीब था। 705 में सरगोन की मृत्यु के बाद, सन्हेरीब ने सत्ता संभाली। जब भी कोई प्रमुख शासक मरता है, तो एक निश्चित मात्रा में उथल-पुथल और अशांति होती है, और इसलिए यहूदा के आस-पास के कुछ स्थानीय शासकों ने थोड़ा विद्रोह करने का प्रयास किया। सन्हेरीब ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि कई अभियानों में भाग लिया।

उसने अपने कुछ लेखों में यहूदा के 46 शहरों पर कब्ज़ा करने का जिक्र किया है। खैर, फिर से, हमें बस इसे समझने और थोड़ा सोचने की ज़रूरत है। अगर उसने यहूदा के 46 शहरों पर कब्ज़ा कर लिया होता, तो उन्हें बड़े पैमाने पर आक्रमणों का सामना करना पड़ता।

फिर वह अश्कलोन और एक्रोन के बारे में बात करता है। वे दोनों पारंपरिक रूप से लंबे समय तक पलिशती शहर थे जो अभी भी मौजूद थे। और फिर हमारे पास शायद सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे यरूशलेम पर उसके हमले या यरूशलेम पर हमला करने के प्रयास के सबूत के रूप में कई बार दर्ज किया गया है।

वह लाकीश पर कब्ज़ा कर लेता है और यरूशलेम पर भी कब्ज़ा करने की कोशिश करता है, उसने वहाँ दूत भेजे हैं। यह सबसे प्रसिद्ध है क्योंकि, बेशक, हमने इसे राजाओं में दर्ज किया है। हमने इसे यशायाह में भी दर्ज किया है, लेकिन मैं इन अन्य बातों का उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ ताकि हमें यह ध्यान में रखना चाहिए या हमें यह ध्यान में रखने में मदद करनी चाहिए कि संभवतः माइक जिस स्थिति से गुज़र रहा है, वह सैन्य आक्रमणों और अशांत परिस्थितियों की एक पूरी श्रृंखला है।

इसलिए, यह हमारे लिए इज़राइल और यहूदा के परिप्रेक्ष्य पर थोड़ा ध्यान केंद्रित करने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय है। आइए देखें कि उस समय शासन कर रहे लोगों के नजरिए से उन पर इसका क्या प्रभाव पड़ा होगा। जब तक हम इस समयावधि तक पहुंचते हैं, उत्तरी साम्राज्य दूसरे यारोबाम के शासन के अधीन हो गया है, वह योआश का पुत्र यारोबाम है।

उनकी मृत्यु आठवीं शताब्दी के मध्य में हुई। वह एक तरह से उज्जिय्याह का समकालीन है—दक्षिण में उज्जिय्याह, दूसरा यारोबाम, उत्तर में योआश का पुत्र यारोबाम।

जब वह दृश्य से बाहर होता है, जब आप 2 किंग्स 15 पढ़ते हैं, तो आप उत्तरी साम्राज्य के विघटन को स्पष्ट रूप से देखते हैं। एक के बाद एक हत्याएं और पूरी तरह बिखराव। वैसे, बस एक



अनुस्मारक है कि जोनाह भी इसी संदर्भ में है, लेकिन हम अभी जोनाह का अध्ययन नहीं कर रहे हैं।

दक्षिण में, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले बताया, उज्जियाह योआश के बेटे यारोबाम का समकालीन था। उज्जियाह ने 52 साल तक शासन किया है। बेशक, इसका एक हिस्सा उसके बेटे योताम के साथ सह-शासन करना है क्योंकि जैसा कि हम पढ़ते हैं कि कुष्ठ रोग से पीड़ित होने पर भी वह मंदिर में धूप चढ़ाने के लिए जाने की हिम्मत करता है और इसलिए, उसे अपने बेटे के साथ सह-शासन करना होगा।

अब, उज्जियाह एक बहुत ही सफल राजा था। जब आप कहानियों को पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि उसके पास युद्ध मशीनें थीं। वह मिट्टी से बहुत प्यार करता था।

वह ये सब करता है और शहरों का विस्तार पश्चिम की ओर करता है। यह आर्थिक रूप से अच्छा समय है, लेकिन यहाँ एक सबटेक्स्ट हो सकता है और मैं थोड़ी देर बाद उस सबटेक्स्ट पर वापस आऊँगा। तो बस उस पर टिके रहो।

कभी-कभी, अच्छी अर्थव्यवस्थाएँ कुछ अन्य प्रकार की चीज़ों को जन्म देती हैं जो उतनी अच्छी नहीं हो सकती हैं, और यह उन प्रणालीगत समस्याओं का हिस्सा हो सकता है जो पहले से ही चल रही हैं। वे सिर्फ़ एक छोटी सी आयत में, एक छोटी सी आयत में प्रमाणित हैं। द्वितीय इतिहास 27.2, उज्जियाह के बेटे योताम ने उज्जियाह से पूरी तरह से सत्ता संभाली, और कहा गया कि वह एक अच्छा राजा था, लेकिन उद्धरण, लोगों ने बुराई करना जारी रखा, जिसका अर्थ है कि वे पहले से ही उस तरह की चीज़ें करने के लिए एक पैटर्न में सेट हो चुके हैं और वे बस जारी रखते हैं, और यह मीका के लिए हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि के लिए महत्वपूर्ण होगा।

ठीक है, आहाज आता है और हम आहाज को वास्तव में दुष्ट, वास्तव में दुष्ट, सभी प्रकार की मूर्तिपूजा करने, मंदिर के दरवाजे बंद करने, विदेशी वेदियों को आयात करने और यहां तक कि अपने बच्चों, अपने बेटों को आग के हवाले करने की हद तक जानते हैं। यह एक ऐसा तथ्य है जिस पर हमें बाद में भी लौटना होगा। लेकिन उसके और उस छोटे राज्य यहूदा के लिए, जिस पर वह शासन कर रहा है, परिणामों के संदर्भ में, हमारे पास निम्नलिखित हैं और मैं बस उन्हें नोट करूँगा।

734—याद रखें यही वह तारीख है जब टिग्लथ-पिलेसर गुज़रा था। वह मिस्र के नाले तक बह गया, और ऐसा प्रतीत होता है कि वह काम कर रहा है। तो उस समय के आसपास, वहाँ लगभग दो साल, आहाज, और यह आहाज के धर्मत्याग के कारण सर्वशक्तिमान भगवान की सजा है, आहाज उत्तरी राज्य और सीरिया के संयुक्त गठबंधन के हमलों को सहन करेगा, यदि आप चाहें। वैसे, यशायाह 7 इसी ओर संकेत करने जा रहा है।

ठीक है। लेकिन इसे सीरो-एप्रैमाइट युद्ध कहा जाता है, और हमें सावधान रहना होगा कि हम एक या दो या तीन या चार आयतों को ध्यान से पढ़े बिना न छोड़ दें। बहुत सारे लोग मारे गए थे।

इसमें बहुत से लोगों को बंदी बना लिया गया था। यह उत्तरी राज्य के लोगों का दक्षिणी राज्य के लोगों के विरुद्ध संघर्ष है। यह भाई-भाई के विरुद्ध संघर्ष है।

यह एक भयानक संदर्भ है जब हम इसे थोड़ा सा खोलते हैं, और हमें इसे फिर से मीका और कुछ घटनाओं के लिए पृष्ठभूमि के रूप में ध्यान में रखना चाहिए। बाद में उसी अध्याय में, फिर से, अहाज के खिलाफ उसके धर्मत्याग के लिए परमेश्वर का न्याय। एदोम द्वारा दक्षिण-पूर्व से हमला किया गया।

पश्चिम से पलिशियों द्वारा हमला किया गया। वे उसकी भूमि पर भी आक्रमण करते हैं। इस बीच, उसे मदद की ज़रूरत है, और इसलिए वह तिग्लथ-पिलेसर से अपील करता है। यह, ज़ाहिर है, एक बहुत बड़ी गलती है क्योंकि यह अशशूरियों की शक्ति और ताकत को उस पर और अधिक भारी रूप से लाता है।

तो पहले से ही, उस शुरुआती समय अवधि में, सन्हेरीब से कुछ दशक पहले, हमें असीरियन की कठोरता का सामना करना पड़ा, जो बहुत ज़्यादा है। आहाज को इसका एहसास होगा। बेशक, हिजकियाह को इसका एहसास होता रहेगा।

716 की इस तिथि के बारे में कुछ मतभेद हैं, लेकिन हम इसे अभी यहीं छोड़ देते हैं क्योंकि हम इस तथ्य से चिंतित हैं कि हिजकियाह उस भयावहता को पहचान लेगा जो आहाज और उसके धर्मत्याग के कारण हुई है। हिजकियाह एक सुधार लाएगा।

उसे लाकीश से यरूशलेम की ओर सन्हेरीब के कदम और अपने सभी दूतों को वहाँ भेजने से भी निपटना होगा। इसलिए, वह दीवारों सहित सुरक्षा के एक उल्लेखनीय सेट की स्थापना करता है और यह सुनिश्चित करता है कि वहाँ पानी की आपूर्ति हो। लेकिन ये सब उस जगह के सहायक हैं जहाँ हम मीका पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

खैर, मीकाह मेराशती या मेराशती इस मामले में कैसे फिट बैठता है? आइए कुछ सुझाव दें। मैंने उनमें से कुछ का पहले ही उल्लेख किया है, लेकिन हम उन्हें थोड़ा विस्तार से बताने की कोशिश करेंगे। मैंने पहले ही सुझाव दिया है कि मीकाह को अत्यधिक उथल-पुथल भरे समय में एक भविष्यवाणी करने वाली आवाज़ के रूप में बुलाया गया था।

और हम केवल कल्पना करना शुरू कर सकते हैं, फिर से, उस थोड़ी सी पृष्ठभूमि के साथ जो मैंने हमें दी है, किस तरह की चीजें उनके अनुभव का हिस्सा रही होंगी। बफर ज़ोन में अग्रिम पंक्ति में रहने से लेकर, हमलों की लहर के बाद लहर को देखने तक, शायद असीरियन से, शायद फ़िलिस्तीनियों से, कौन जानता है? उसे उस संदर्भ में भविष्यवाणी करनी होगी। वह स्पष्ट रूप से एक यादगार आवाज़ थी।

और मैंने इसका उल्लेख इसलिए किया क्योंकि लगभग सौ साल बाद जब यिर्मयाह उपदेश दे रहा था, तो उसे उसके मंदिर के उपदेशों में से एक कहा गया। उनमें से एक यिर्मयाह 7 में है, और दूसरा यिर्मयाह 26 में है। और यिर्मयाह 26 में, मंदिर के आगामी विनाश के बारे में जो कुछ उसने कहा, उससे वह वास्तव में मुश्किल में पड़ गया।

लोग उसे मारने को तैयार हैं। हर कोई, उस पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया है, और वह मौत की सजा के कगार पर है जब तक कि कुछ बुजुर्ग नहीं कहते, अब, एक मिनट रुकें। उस संदर्भ में हमारे पास मीका द मेराशती था।

उसका नाम मीकायाह है, लेकिन यह वही व्यक्ति है। और वे उसे उद्धृत करते हैं। वे अध्याय तीन, श्लोक 12 में मीका ने जो कहा है उसे उद्धृत करते हैं।

वे इसे उद्धृत करते हैं। और यह यिर्मयाह के लिए एक राहत है। वे कह रहे हैं कि यदि मीका ने हिजकिय्याह के दिनों में यह कहा था, और हिजकिय्याह ने उस पर पश्चाताप किया, तो यह कैसे हुआ कि हम इन परिस्थितियों में उसी तरह की बात कहने के लिए यिर्मयाह को मारने के बारे में सोच रहे हैं? तो किसी भी कीमत पर, आपको वह मिल गया है।

तो फिर समापन सुझाव, समापन नहीं, लेकिन कम से कम इस बिंदु पर एक सुझाव, क्योंकि मीका इन वास्तव में उथल-पुथल भरे दशकों से गुजर रहा है, उज्जियाह मर जाता है। 52 साल के शासन के बाद जब वह मर जाता है, तब भी काफी अशांति होती है। मीका जीवित है, भविष्यवाणी कर रहा है, आहाज की बुराइयों के माध्यम से और यहां तक कि हिजकिय्याह के सुधार में बोलने के लिए बुलाया गया है।

जिन शब्दों का हम अध्ययन करने जा रहे हैं, जिन शब्दों का हम इन अगले सात व्याख्यानों में अध्ययन करने जा रहे हैं, वे वहाँ चल रही सभी अशांति के लिए खनन किए जा सकते हैं। सामाजिक समस्याएँ, धार्मिक समस्याएँ और राजनीतिक समस्याएँ थीं, और वे सभी उन घोषणाओं में एक साथ आए जो वह दे रहे थे। जब मैं इस पुस्तक की साहित्यिक संरचना के बारे में बात करना शुरू करता हूँ, तो हम जो चीजें देखने जा रहे हैं उनमें से एक यह है कि इसमें कई भविष्यवाणियाँ हैं, और कभी-कभी वे हमेशा एक-दूसरे से पूरी तरह से जुड़ी हुई नहीं लगती हैं, लेकिन फिर भी, उनमें ईश्वर के न्याय का निरंतर ध्यान केंद्रित होता है, जो ईश्वर की राहत से अंतराल पर संतुलित भी होता है।

लेकिन हम उन पर थोड़ी देर में आएं। पहली बात संरचना से संबंधित है। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, हम कुछ लोगों के साथ काम कर रहे हैं, मान लीजिए, 21 तक; मुझे नहीं लगता कि यह जरूरी है कि यह बहुत अधिक हो, लेकिन एक दर्जन से अधिक अलग-अलग भविष्यवाणियाँ हैं।

सवाल यह होगा कि ये एक दूसरे से कैसे जुड़े हैं? दूसरा सवाल यह है कि क्या हम इनके लिए विशेष ऐतिहासिक समय-सीमा तय कर सकते हैं? अब, कुछ विद्वान कहते हैं कि ये मीका के समय से लेकर निर्वासन के बाद तक फैले हुए हैं। मैं उस दिशा में नहीं जा रहा हूँ। आपको बस यह जानने की ज़रूरत है कि यह मुद्दे का एक हिस्सा है।

मैं जो सुझाव देने जा रहा हूँ, या इसे इस तरह से कहें, वह यह है कि इन भविष्यवाणियों को एक साथ कैसे जोड़ा जा सकता है, इसे देखने के दो संभावित तरीके हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, पहले वाले में तीन बुनियादी इकाइयाँ हैं, यह स्वीकार करते हुए कि हर कोई इससे सहमत नहीं

है। अध्याय एक से तीन को अक्सर एक साथ देखा जाता है क्योंकि सामरिया और यरूशलेम का उल्लेख अध्याय एक, श्लोक पाँच से सात में और फिर 3:12 में यरूशलेम में किया गया है।

और इसलिए, ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, ठीक है, यह एक साथ जुड़ा हुआ है। इन दो महत्वपूर्ण राजधानियों पर एक निर्णायक ध्यान केंद्रित है, सामरिया बहुत जल्दी दृश्य से बाहर हो जाता है, लेकिन फिर भी उन पर ध्यान केंद्रित है। ऐसे लोग हैं जो फिर उस इकाई के बीच एक विराम देखते हैं, थोड़ा सा बोझिल, लेकिन वह इकाई, और फिर अध्याय चार और पाँच में क्या होता है।

क्योंकि अध्याय चार और पाँच में, हमने बहुत ज़्यादा ध्यान दिया है, कम से कम अध्याय चार में, माउंट सियोन पर। और यह थोड़ा अस्पष्ट हो जाता है, लेकिन एक भावना है कि माउंट सियोन के भविष्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और अध्याय चार में कई अलग-अलग भविष्य हैं, अध्याय पाँच में न केवल बेथलेहम के हमारे शासक द्वारा बल्कि अध्याय पाँच के अंत में यहूदा के अनुभव का हिस्सा रही सभी भयानक चीज़ों को अंतिम रूप से समाप्त करने के लिए भी इसका अनुसरण किया जाएगा। जैसा कि मैंने कहा, यह इस बात के संदर्भ में थोड़ा और कठिन हो जाता है कि वे दोनों एक साथ कैसे जुड़े हैं।

अध्याय छह और सात को वाचा विवाद और उसके परिणामस्वरूप क्या होता है, के साथ शुरू होने के रूप में देखा जाता है। अध्याय सात शुरू में एक विलाप है, उस विलाप के कई भाग हैं, और अंतिम पुनर्स्थापना है। तो इसे देखने का एक तरीका यह है।

प्रत्येक खंड को किस तरह संबोधित किया जा सकता है, इसका एक तरीका अनुक्रम में लिया जाना है। कुछ लोग तीन के बजाय चार इकाइयों को देखते हैं। मैं इसे अपेक्षाकृत जल्दी से आगे बढ़ाऊंगा, न्याय के बाद उद्धार के विषयों के इर्द-गिर्द एकता और एकता की धारणा का आह्वान करूंगा।

फिर से, इसे पहली इकाइयों में देखना अन्य इकाइयों की तुलना में आसान है, लेकिन आइए देखें कि वे कैसे काम करते हैं। अध्याय एक और दो को एक साथ रखा गया है, एक से तीन तक नहीं, जैसा कि हमने कुछ समय पहले देखा था, लेकिन एक और दो को एक साथ रखा गया है, और वे, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, सामरिया के खिलाफ भविष्यवाणियों के साथ शुरू होते हैं। फिर, शेफेला क्षेत्र और यरूशलेम के दृष्टिकोण पर पूरा ध्यान केंद्रित किया गया है।

अध्याय दो में अभी भी न्याय है, अभी भी न्याय है, लेकिन इस बार अधिक सामाजिक पापों के विरुद्ध न्याय है। और फिर वे जो झूठे भविष्यवक्ता हैं जो वास्तविकताओं का गलत प्रतिनिधित्व करते हैं। अध्याय एक और अध्याय दो के अधिकांश भाग में न्याय का वह क्रम, यदि आप चाहें तो, अध्याय दो के श्लोक 12 और 13 में सुखद अंत देता है क्योंकि एक अवशेष होगा जिसे बचाया जाएगा।

और फिर, इस योजना के अनुसार, हमारे पास केवल पहले दो अध्याय हैं, न्याय और उद्धार। दूसरी इकाई अध्याय तीन से शुरू होती है। और आपके पास, फिर से, उन लोगों के खिलाफ गंभीर, कठोर न्याय है जो पूरी तरह से दुष्ट, पूरी तरह से भ्रष्ट, भविष्यद्वक्ताओं के मामले में बिल्कुल झूठे हैं।

और निस्संदेह, इसकी परिणति यरूशलेम के पतन की भविष्यवाणी है। और ऐसा होता है, जैसा कि हम पहले ही अध्याय तीन, श्लोक 12 में देख चुके हैं। लेकिन उस निर्णय क्रम के बाद उच्चाटन की ओर बदलाव होता है, उस बर्बाद यरूशलेम की बहाली होती है जिसे हमने अध्याय तीन के अंत में देखा था।

और फिर जैसे ही हम अध्याय चार के पहले भाग में आगे बढ़ते हैं, अवशेष फिर से दिखाई देने लगते हैं। तो हमारी दूसरी इकाई अध्याय तीन, श्लोक एक से अध्याय चार, श्लोक आठ तक चलती है। तीसरी इकाई और चौथी थोड़ी अधिक उथल-पुथल वाली हैं क्योंकि वे जाने, क्या हो रहा है, क्या हो रहा है, की उथल-पुथल को प्रतिबिंबित करती हैं।

तो, इस तीसरी इकाई में आपके पास आघात की तरंगें हैं। अध्याय चार, श्लोक नौ से शुरू होकर, कुछ भयानक चीजें जो घटित होने वाली हैं, लेकिन फिर भगवान के लोगों की कुछ विजयें एक-दूसरे के साथ जुड़ गईं। अध्याय पांच में, श्लोक एक से शुरू करते हुए, इस चरवाहे राजा का वादा, जो आगे जा रहा है वह पुराना है, जो याकूब के अवशेष को बचाएगा।

लेकिन फिर, निश्चित रूप से, वहां एक तरह का टैग लगा हुआ है। यह थोड़ा बहुआयामी है। अध्याय पाँच एक प्रतिज्ञा के साथ समाप्त होता है, लेकिन यह एक चेतावनी भी है कि भगवान हर उस चीज़ को काट देंगे जो मूर्तिपूजक है।

फिर, निर्णय से वादे की ओर बढ़ने में थोड़ी कम विशिष्टता। इसके बजाय, यह आपस में जुड़ा हुआ है। हम यही चीज़ अध्याय छह और सात में घटित होते हुए देखते हैं, जिन्हें इन चार इकाइयों में से अंतिम के रूप में देखा जाता है।

अध्याय छह वह प्रसिद्ध वाचा विवाद है, जो शायद अध्याय छह, श्लोक आठ के कारण सबसे अधिक जाना जाता है: हे आदम, प्रभु तुमसे क्या चाहता है? और फिर हम उस अद्भुत उत्तर से निपटेंगे जो आता है। उसमें, आपके पास न केवल टूटी हुई वाचा के परिणाम हैं, जो फिर से, थोड़ा सा न्यायपूर्ण है, बल्कि आशा है कि यह अंधेरे के माध्यम से दिखाई देगा, दुश्मनों पर विजय प्राप्त करेगा, और फिर अध्याय सात के अंत में भगवान की प्रतिज्ञा, कि वह उनके सभी पापों को समुद्र में कैसे डाल देगा। संरचना के बारे में सोचने के ये दो तरीके हैं जो कम से कम यह अनुमति देते हैं कि संभवतः किसी प्रकार की संरचना है।

जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, ऐसे लोग हैं जो कहते हैं, आह, हम संरचना को पूरी तरह से छोड़ देंगे, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दिशा में नहीं जाना चाहता। मीका और इस भविष्यवाणी गतिविधि की मुख्य विशेषताओं में से एक प्रमुख है। यह एकमात्र हिस्सा नहीं है, लेकिन मीका में विलाप प्रमुख है, खासकर अध्याय एक में और अध्याय सात में भी।

और यहाँ जो हो रहा है वह लोगों के पापों पर पीड़ा है। हम इस पर समय क्यों खर्च करते हैं? क्योंकि भाषा, न केवल शब्दों के चयन के कारण बल्कि भाषा की संरचना के कारण भी, विलाप व्यक्त करती है। हिब्रू में कुछ बिंदुओं पर, यह सीधे टूट जाता है।

अब, मैं आपको इस पर दिए गए अपने चरित्र चित्रण पढ़कर सुनाता हूँ, हालाँकि शायद और भी बहुत कुछ कहा जाना चाहिए। यह उथल-पुथल भरी कविता है।

यह कच्चा है। यह कठोर है। अध्याय एक, छोटे वाक्यांश और संक्षिप्त वाक्य, हमले, युद्ध, भागने और भय की वास्तविक उलझन को पकड़ते हैं।

और ऐसे विद्वान भी हैं जिन्होंने वास्तव में कहा है कि अध्याय एक के अंतिम सात श्लोक पांडुलिपि के एक हिस्से के खो जाने का प्रतिनिधित्व करते हैं। पांडुलिपि का दाहिना स्तंभ खो गया है क्योंकि वे इसे बहुत ही समझ से परे मानते हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें पाठ के संदर्भ में उस रास्ते पर जाने की ज़रूरत है।

इसके बजाय, हम देखते हैं कि कविता भयावहता, विघटन और पूर्ण असंगति और अभाव की भावना का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि मीका इस पर टूट गया है, लेकिन वह जो वर्णन कर रहा है वह टूटे हुए लोगों के साथ-साथ टूटे हुए समुदायों का भी वर्णन कर रहा है। तो, अध्याय में आगे जो कुछ भी है वह सब उसकी चीख-पुकार के हैं; जैसा कि मैंने कहा, वह अपना दुख जोर-जोर से व्यक्त करता है। आगे जो कुछ भी है वह भाषा के संदर्भ में और ज़मीन पर क्या हो रहा है, दोनों के संदर्भ में टूटा हुआ है।

उससे संबंधित, हमें अपनी दृश्य कल्पना के साथ-साथ श्रवण का भी उपयोग करना होगा। हम सुनते हैं, हमें रोना भी सुनना चाहिए। हमें दुःख सुनना चाहिए।

एक बिंदु पर, बाद में अध्याय सात में, अभिव्यक्ति अलिला का उपयोग किया गया है। यह लगभग अनूदित, भय का रोना है। तो, यह ज़ोर-ज़ोर से विलाप करते हुए रो रहा है, लेकिन फिर हमें कुछ ऐसी चीज़ों को भी देखना होगा जो घटित हो रही हैं क्योंकि छटपटाहट का वर्णन किया गया है।

और इसे समझने के लिए, हमें यह समझना होगा कि कोई व्यक्ति इतनी पीड़ा में है कि वह बस करवटें बदलता जा रहा है और इससे बाहर नहीं निकल पा रहा है। छटपटाहट और पीड़ा. नग्नता तस्वीर का हिस्सा है और यह शर्मनाक है।

और इसे इसी तरह प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बाल शेव करना. वे सभी पूरी त्रासदी के प्रति गहरी प्रतिक्रियाएँ हैं।

और यदि हम इसे चूक जाते हैं, तो हम मीका के संदेश की शक्ति को खो रहे हैं। साथ ही, अध्याय तीन, श्लोक आठ में वह कहते हैं, मैं प्रभु की आत्मा से भर गया हूँ। मीका की आवाज़ और प्रभु की आवाज़ इंटरफ़ेस।

कभी-कभी, हमें यकीन नहीं होता कि कौन बोल रहा है। वह प्रभु के लिए बोल रहा है। यह ईश्वर का शब्द है।

और ये दोनों बहुत ज्यादा शामिल हैं। बस कुछ और साहित्यिक विशेषताएँ जिन्हें हम आगे बढ़ते हुए नोट करना चाहते हैं। इस सामग्री में एक संवाद अंतर्निहित है।

अध्याय दो एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह निश्चित रूप से एकमात्र नहीं है, लेकिन जब हम अध्याय दो का अध्ययन करते हैं, तो हमें रुकना होगा और कहना होगा, अब, एक मिनट रुकें, कौन क्या कह रहा है? क्योंकि हम पूरी तरह आश्चर्य नहीं हैं। भगवान बोल रहे हैं, लेकिन तब भगवान किसी को उद्धृत करते हैं जो किसी और को उद्धृत करता है।

यह जीवन को थोड़ा कठिन बना देता है क्योंकि ये चीज़ें आपस में मिलती-जुलती हैं; वे टकराना शब्द का प्रयोग करते हैं, और वे एक-दूसरे से टकराते हैं। और इसे सुलझाने में थोड़ा समय लगता है। इसमें जोड़ें, सर्वनाम, जैसा कि हिब्रू कविता में अक्सर होता है, बदलाव।

तो, वे तीसरे व्यक्ति हो सकते हैं, और फिर यह दूसरे व्यक्ति के सीधे पते पर स्थानांतरित हो जाएगा। और यह हमारी समझ का भी हिस्सा होना चाहिए। दिलचस्प ध्वनि पैटर्न हैं।

अक्सर हम शब्द-क्रीड़ा के बारे में सोचते हैं, लेकिन इसे शब्दों का खेल कहना थोड़ा ज़्यादा सुंदर हो सकता है। इसमें दोहराव होता है; इसमें संबंध होते हैं। कुछ लोग इसे इन अलग-अलग खंडों के बीच सीढ़ीनुमा व्यवस्था कहते हैं।

मैं आपको शब्दों के खेल का एक उदाहरण दूंगा जो बिल्कुल दिलचस्प है। अध्याय दो में, आप मीका को झूठे भविष्यवाक्ताओं पर झूठ बोलने और धोखा देने का आरोप लगाते हुए पाते हैं। शेकर शब्द है।

और फिर अगले ही श्लोक में, वे एक शुल्क के बारे में बात कर रहे हैं, संभवतः भविष्यवाणी के लिए जिसमें शराब और एक मजबूत पेय शामिल है। और मजबूत पेय के लिए शब्द है शेकर। तो शेकर, शेखर, हमें इसे देखना चाहिए, हमें इसे सुनना चाहिए।

और जाहिर है, मीका के श्रोता भी इसे सुनेंगे। इसमें अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली अलंकार हैं, और हम आगे बढ़ते हुए उन पर प्रकाश डालेंगे।

उनमें से एक जो विशेष रूप से दिलचस्प है, और कच्चे को समझने के तरीके में स्पष्ट रूप से मतभेद है, और मैं इसका उपयोग जानबूझकर कर रहा हूँ, नरभक्षण जिसका वर्णन अध्याय तीन में किया गया है। क्या यह केवल भाषण का एक रूप है, या कुछ और भी चल रहा है? या यह दोनों का थोड़ा सा हिस्सा है? वे भाषण के बहुत दिलचस्प अलंकार हैं। और फिर अभी के लिए, यहां सिर्फ एक और साहित्यिक विशेषता है जिसे हम नोट करना चाहते हैं।

यह बहुत विशिष्ट है, लेकिन जब हम अध्याय दो पढ़ते हैं, तो हम देखेंगे कि भविष्यवाणी के लिए शब्द - भविष्यवाणी गतिविधि और भविष्यवाणी के लिए एक मानक शब्द है - मीका द्वारा उपयोग नहीं किया जाता है। वह एक अलग हिब्रू शब्द का उपयोग करता है, और यह वह शब्द है जिसका अनुवाद ड्रिप किया जाता है।

और यह एक्सचेंज में है। यह वास्तव में ऐसा है जैसे मीका प्रभु का वचन बोल रहा है। ये टपकने वाले लोग हैं, जो टपक रहे हैं और भविष्यवाणी कर रहे हैं।

अब, जब हम अध्याय दो पर पहुँचते हैं, तो हम इसे थोड़ा और खोलेंगे, लेकिन यह कहने के लिए रॉकेट वैज्ञानिक की ज़रूरत नहीं है, ओह, शायद कोई सूक्ष्म संदेश चल रहा है। अगर ये भविष्यवक्ता टपक रहे हैं, तो उन्हें बहुत व्यंग्य के साथ देखा जा रहा है, व्यंग्य से टपकते हुए, अगर आप चाहें तो। मुझे पता है कि यह एक बहुत ही खराब शब्द-खेल था।

मैं बस कुछ बातें कहना चाहता हूँ, खैर, यह स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण धार्मिक सबक है, लेकिन जो हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं, जैसे-जैसे हम पुस्तक के इन शुरुआती अध्यायों में आगे बढ़ेंगे। सबसे पहले, मीका का नाम सिर्फ़ मीका नहीं है। इसका कुछ मतलब है।

यह शब्द का बहुत ही संक्षिप्त रूप है। प्रश्न यह है कि प्रभु के समान कौन है? मी हिब्रू शब्द है जिसका अर्थ है कौन। जिस छोटे अक्षर का हम C से अनुवाद कर रहे हैं वह कण जैसे का बहुत छोटा रूप है। तो, कौन जैसा है, और फिर इसका अंतिम भाग, आह प्रभु के दिव्य नाम का संक्षिप्त रूप है।

हम जिसका उच्चारण करने से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन मीका-याहू, याहू दिव्य, टेट्राग्रामटन का प्रतिनिधित्व करेगा। इसलिए उसका नाम अपने आप में एक गहरा सवाल पूछ रहा है। और जाहिर है कि जिन लोगों को प्रभु ने अपने वाचा नाम का उपयोग करके अपनाया है, वे लगातार अपनी ओर से उस वाचा को तोड़ रहे हैं।

यह दिलचस्प है कि पुस्तक, जैसा कि मैंने आपके लिए नोट किया है, मीका के नाम से शुरू होती है और तुरंत उसकी उपस्थिति की घोषणा, स्वर्गीय क्षेत्रों में उसकी उपस्थिति, नीचे आते और कदम रखते समय उसकी उपस्थिति; उनकी उपस्थिति उनके लिए अभिभूत करने वाली है। यह उनकी पवित्र उपस्थिति है। दिलचस्प बात यह है कि संरचना के संदर्भ में, पुस्तक का अंत इस प्रकार होता है, हे भगवान, आपके जैसा कौन है? अध्याय सात, श्लोक 18 से शुरू करते हुए, आपके जैसा कौन है? और फिर यह प्रभु के बारे में बात करता है जिसने मिस्रियों को समुद्र में फेंक दिया, अध्याय सात, पद 15।

और फिर, अंततः, हम इस्राएल के अधर्म को समुद्र में फेंक देंगे। आपके जैसा कौन है? किताब उसी से शुरू होती है। कौन भगवान जैसा है और कौन आपके जैसा है, इस पर खत्म होता है।

तो, यहोवा की उपस्थिति और वह कौन है, इसका क्या अर्थ है, इस पूरी पुस्तक में अंतर्निहित है। मैंने इसका पहले ही उल्लेख किया है, लेकिन यह वाचा के प्रभु और उनके लोगों के संबंधों की हमारी समझ के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। हम अनुबंध के बारे में बहुत अधिक बात करेंगे, खासकर जब हम अध्याय छह पर पहुंचेंगे, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह एक बाध्यकारी समझौता था और वे उस अनुबंध को बार-बार तोड़ेंगे।

और जब उन्होंने विश्वास तोड़ा, तो प्रभु उन्हें वापस बुलाएंगे। वह अपने भविष्यवक्ताओं का उपयोग करने के आधार पर उन्हें वापस बुलाएगा, जिन्हें डौग स्टीवर्ट ने वर्षों पहले बाइबल को सभी के लिए कैसे पढ़ा जाए, में वाचा प्रवर्तन मध्यस्थों का लेबल दिया था। जैसा कि कुछ समय पहले अध्याय छह में उल्लेख किया गया था, जब मीका अध्याय छह में विवाद सामने आता है, तो



उन चीजों में से एक जिसे करने के लिए प्रभु इन लोगों को कहते हैं, याद रखें, याद रखें, याद रखें, क्योंकि वे स्पष्ट रूप से भूल रहे हैं और अवज्ञाकारी भी हैं।

तो, अनुबंध प्रवर्तन मध्यस्थों, यह कैसे काम करता है? खैर, प्रभु और उसकी दया, जब ये लोग पूरी तरह से अवज्ञाकारी, गंभीर धर्मत्यागी थे, तब भी प्रभु पैगंबर भेजते हैं। वह गंभीर धर्मत्याग के इस समय में लोगों को याद दिलाने के लिए भविष्यवक्ताओं को भेजता है और ये ऐतिहासिक परिस्थितियाँ बहुत भयानक थीं। भविष्यवक्ता लोगों को यह याद दिलाने के लिए हैं कि ईश्वर कौन है, उसे क्या चाहिए, यदि वे अवज्ञाकारी होते तो क्या होता? और यही इन लोगों की भूमिका थी, उन्हें आज्ञाकारिता के लिए वापस बुलाना।

और इसलिए, विशेष रूप से अध्याय छह में, हम यहां शर्तों को देखने जा रहे हैं। सुनो, अपने मामले की पैरवी करो। प्रभु के पास उस स्मरण के साथ-साथ एक अभियोग भी है जिसका मैंने कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था।

ये न्यायदंड जो भविष्यवक्ताओं के कारण उनकी स्मृति में लाए गए थे, वे पंचग्रन्थ में अचानक नहीं आते, विशेष रूप से लैव्यव्यवस्था 26 और व्यवस्थाविवरण 28 में, और अन्य स्थानों पर भी। हम सीखते हैं कि अवज्ञा के कारण लोगों पर जो शाप घोषित किए जाते हैं, सबसे पहले, उन्हें वापस लाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। अध्याय के अंत में लैव्यव्यवस्था 26 यह बहुत स्पष्ट करता है कि यह सब परमेश्वर के लोगों को आज्ञाकारिता में बहाल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम देख रहे हैं कि इनमें से प्रत्येक, ठीक है, यह बीच की भूमि में बसा हुआ है और सभी चीजें जो हम बीच की भूमि के बारे में नोट करना चाहते हैं क्योंकि सज़ाओं में से एक यह थी कि विदेशी दुश्मन आपसे आगे निकल जाएंगे। विदेशी दुश्मन आपसे आगे निकल जाएंगे। अगर वे आज्ञाकारी होते, तो वे दुश्मनों को भगा देते।

लेकिन जब वे अवज्ञाकारी थे, तो प्रभु ने कहा कि वह उन पर न्याय करने के लिए शत्रुओं का उपयोग करेगा। और मैं आपके लिए बस यह नोट करना चाहता हूँ कि यशायाह 10 में अशूर को आठवीं सदी का शत्रु, परमेश्वर की छड़ी कहा गया है। इन दण्डों के सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ भी थे।

हम यह देखेंगे कि जब वे अवज्ञाकारी थे, तो बेल फल नहीं देती थी। वे अंगूरों को नहीं रौंदते थे। वे उन चीजों पर जीवित नहीं रह पाते थे जो ज़मीन सामान्य रूप से पैदा करती थी क्योंकि बारिश नहीं होती थी, और इसलिए, वे उत्पाद नहीं पैदा कर पाते थे।

इस संबंध में एक और बात कही जानी चाहिए। इन न्याय-वाणी के बाद हमेशा आशा की अभिव्यक्तियाँ होती हैं। यह मीका में सच है।

यह अन्य भविष्यवाणियों में भी सच है। इसमें हमेशा आशा निहित होती है। और जहाँ तक मीका का सवाल है, वह कई बार अवशेष शब्द का प्रयोग करेगा।

खैर, विहित और ऐतिहासिक भौगोलिक और साहित्यिक धार्मिक पृष्ठभूमि पर हमारी परिचयात्मक सामग्री को समाप्त करने के लिए, हम इन सभी चीजों पर विचार करते समय, अगर हम यह पता लगाने के लिए चिंतित नहीं हैं कि हम 21वीं सदी में उनके बारे में कैसे सोचते हैं, तो हम लापरवाह होंगे। इसलिए, मैं कुछ संभावित अनुप्रयोगों का सुझाव देने जा रहा हूँ, या शायद मुझे कहना चाहिए कि इस समय चर्च, विशेष रूप से पश्चिमी चर्च के लिए अनुप्रयोगों पर विचार करने के लिए क्षेत्र। ईश्वर की संप्रभुता के निहितार्थों पर विचार करने की हमेशा आवश्यकता होती है।

मुझे पता है कि यह बात जुबान पर बहुत आसानी से आ जाती है। खुद को उस पर केंद्रित रखना बहुत मुश्किल है। जब चीजें अंधकारमय और उदास हों तो उम्मीद पर ध्यान केंद्रित करना और भी मुश्किल होता है।

मीका का मुख्य संदेश अंधकारमय और निराशाजनक है, लेकिन वह लोगों को आशा की ओर वापस भी खींचता है। मीका के लक्ष्य हमारे संदर्भ से मेल खाते हैं क्योंकि वह अन्याय के खिलाफ और नेतृत्व की ओर से झूठ के खिलाफ दृढ़ता से बात कर रहा है।

समाज के सभी मुखिया किसी न किसी धोखे में लगे हुए हैं। वह भ्रष्ट नेतृत्व के बारे में बात कर रहे हैं। वह नैतिक भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं।

और, निस्संदेह, जब वे टोरा को ठीक से नहीं पढ़ाते हैं, तो कोई लंगर नहीं रह जाता है, और यह बिल्कुल विनाशकारी है। निःसंदेह, जब हम उनमें से प्रत्येक को देखते हैं, तो हम यह कहने से नहीं रह सकते, हे भगवान, 3000 वर्षों में चीजें बहुत अधिक नहीं बदली हैं। तो मीका एक बहुत ही समयोचित भविष्यवक्ता है।

ऐसा कहने के बाद, हालांकि, ऐसा करना मुश्किल हो सकता है, हमारे पास यह उल्लेखनीय वादा भी है कि एक शासक होने जा रहा था जिसकी उत्पत्ति पुराने, बेथलहम एफ्रेटा से हुई थी। यद्यपि तुम यहूदा के कुलों में छोटे हो, तौभी तुम में से एक निकलेगा जो प्रभुता करेगा। यह वह अंश है कि जब जादूगर यरूशलेम में यह पूछने आए कि वह जो यहूदियों का राजा पैदा हुआ था, कहाँ है? हेरोदेस के पास नेतृत्व से परामर्श करने की बुद्धि थी, और उन्होंने इस मार्ग का हवाला दिया।

दिलचस्प बात यह है कि हमारे पास इस बात का सबूत नहीं है कि उन्होंने वास्तव में बेथलहम में पैदा हुए बच्चे के पैर पर घुटने टेकने के लिए मैगी का अनुसरण किया था, लेकिन वे मीका से इस मार्ग को जानते थे। इसलिए न केवल मीका की भविष्यवाणियाँ हिजकिय्याह के समय तक गूँजती रहीं, बल्कि वे अगली शताब्दियों से लेकर पहली शताब्दी तक भी गूँजती रहीं। खैर, अभी के लिए हमारा परिचय यहीं बंद होता है।

हम शीघ्र ही अध्याय एक की ओर बढ़ेंगे।